पत्रिका
(08.10.2015)

ना } हक और न्याय पाने के लिए चार साल से भटक रही बुजुर्ग मां

टे ने हड़पी जमीन, किया बेघर

का

patrika.com

कानून के तहत मामलों
के दावे खोखले साबित
वर्षीय बुजुर्ग मां की 7
उसके बेटे ने हड़प ली
से निकाल दिया। हक
ी आस में इस मजबूर
प्रशासन की हर चौखट
किन चार साल गुजरने
याय नहीं मिला। दर-दर
भूखों मरने की नौबत
मजबूरन उसे अपने
हना पड़ रहा है।
ी है रायसेन जिले की
ी के अकोला गांव की
हरीबाई राजपूत की।
और दो बेटियां हैं। उनके

पति की करीब 6 साल पहले मौत हो चुकी है। उसके बाद उनका बड़ा बेटा भी चल बसा। हालांकि, पति ने दुनिया छोड़ने के पहले पैतृक जमीन का बंटवारा कर दिया था। हरीबाई बताती हैं कि पति के हिस्से में 7 एकड़ जमीन आई, लेकिन उनकी मौत के बाद छोटे बेटे सुतियार सिंह ने जमीन अपने नाम करा ली। उसके बाद आए दिन मारपीट करने लगा और एक दिन घर से निकाल दिया। कुछ दिन भटकने के बाद वे अभी भोपाल में बेटी के पास रह रही हैं। हरीबाई के दामाद अशोक चौहान ने बताया कि उन्होंने भी हरीबाई के बेटे को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह मानने के लिए तैयार नहीं है। वह कहता है कि यह जमीन उसी की थी, इसलिए अपने नाम करा ली।

इस बारे में मुझे जानकारी नहीं है। यदि ऐसा कोई प्रकरण लंबित है तो मैं इसे दिखवाता हूं।

ओपी सोनी, एसडीएम, बरेली

सीएम तक शिकायत

हरीबाई ने चार साल पहले बरेली एसडीएम से शिकायत की, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। वे बताती हैं कि एसडीएम पहले रिकॉर्ड नहीं आने की बात कहते रहे, अब कहते हैं कि टाइम नहीं है। बेटे ने मारपीट की तो थाने में भी शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वे जब भोपाल आईं, तो डीजीपी से शिकायत की। डीजीपी ने एसपी को पत्र लिखा, जिस पर पुलिस ने बेटे को पकड़ा और एक दिन बंद रखा फिर छोड़ दिया। इसके बाद महिला आयोग में भी शिकायत की। वहां से भी कोई फायदा नहीं हुआ। सीएम हेल्पलाइन में भी वे दो बार शिकायत कर चुकी हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।